भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न संख्या: 2416

सोमवार, 10 अगस्त, 2026 (19 श्रावण, 1948 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

बिहार में अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क

2416 श्री संजय यादवः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार विश्वभर के अंतर्राष्ट्रीय श्रद्धालुओं, पर्यटकों तथा तीर्थयात्रियों की सेवा हेतु पटना विमानपत्तन से अनुसूचित अंतर्राष्ट्रीय संपर्क का विस्तार करने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या बोधगया अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन के सर्वाधिक महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थल पर सेवा देने के बावजूद, इसका अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अत्यंत सीमित है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) वर्ष 2025-26 के बजट में बिहार राज्य हेतु घोषित तीन नए ग्रीनफील्ड विमानपतत्नों की स्थिति तथा समय-सीमा क्या है;

(घ) क्या क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत बिहार तक तथा बिहार के भीतर प्रदान किया गया वायु संपर्क राज्य के आकार तथा पर्यटन क्षमता के अनुरूप है; और

(ङ) बिहार में विमानन अवसंरचना तथा संपर्क सुदृढ़ करने हेतु किए जा रहे उपायों की स्थिति क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): एयरलाइनों के अंतरराष्ट्रीय परिचालन भारत और संबंधित देश के बीच द्विपक्षीय वायु सेवा समझौते (एएसए) द्वारा संचालित होते हैं। एएसए के अनुसार, भारतीय नामोदिष्ट वाहक पटना और गया सहित किसी भी प्वाइंट के लिए/प्वाइंट से विदेशी गंतव्यों के लिए परस्पर सहमत क्षमता सीमाओं के अनुसार परिचालन प्रारम्भ करने हेतु स्वतंत्र हैं। इसके अलावा, अफगानिस्तान और पाकिस्तान को छोड़कर, आसियान और सार्क देशों के विदेशी वाहकों के लिए उपलब्ध 18 पर्यटन स्थलों में पटना और गया भी एक पर्यटन स्थल

के रूप में उपलब्ध हैं। तथापि, भारत में किसी भी प्वाइंट से सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत पूरी तरह से यात्री मांग, स्लॉट की उपलब्धता, मार्ग की आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य संबंधित कारकों के आधार पर अनुसूचित एयरलाइनों का वाणिज्यिक निर्णय है।

(ग): बिहार सरकार ने राजगीर, सोनपुर और सुल्तानगंज (भागलपुर) में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। प्रस्तावित हवाईअड्डों के लिए व्यवहार्यता-पूर्व अध्ययन किया गया है। सोनपुर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के लिए साइट क्लीयरेंस दे दी गई है।

ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा परियोजनाओं के पूरा होने की समय-सीमा विभिन्न कारकों जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरी की उपलब्धता, वित्तीय समापन आदि पर निर्भर करती है।

(घ) और (ङ): क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान के तहत बिहार में हवाई संपर्क बढ़ाया गया है। इस योजना के तहत राज्य में 21 मार्ग परिचालनरत किए गए हैं। इसके अलावा, दरभंगा और पूर्णिया हवाई अड्डों को योजना के तहत परिचालनरत कर दिया गया है।

*****